

हृदल महासागर तल मानचलररुण ढर INCOIS का अधूयन

सूरोत: द हृदु

चरूा में कूूँ?

हृल ही में [भररुतीय सरूडररुीय महासागर सूूचना सेवा केंद्र \(Indian National Centre For Ocean Information Services- INCOIS\)](#) के वृजूानकूँ ने समुदूरी धाराओं और गतशीलता की गहनता से जाूूच करने के लूयि [हृदु महासागर](#) के तल के मानचलररुण ढर एक अधूयन कूयि ।

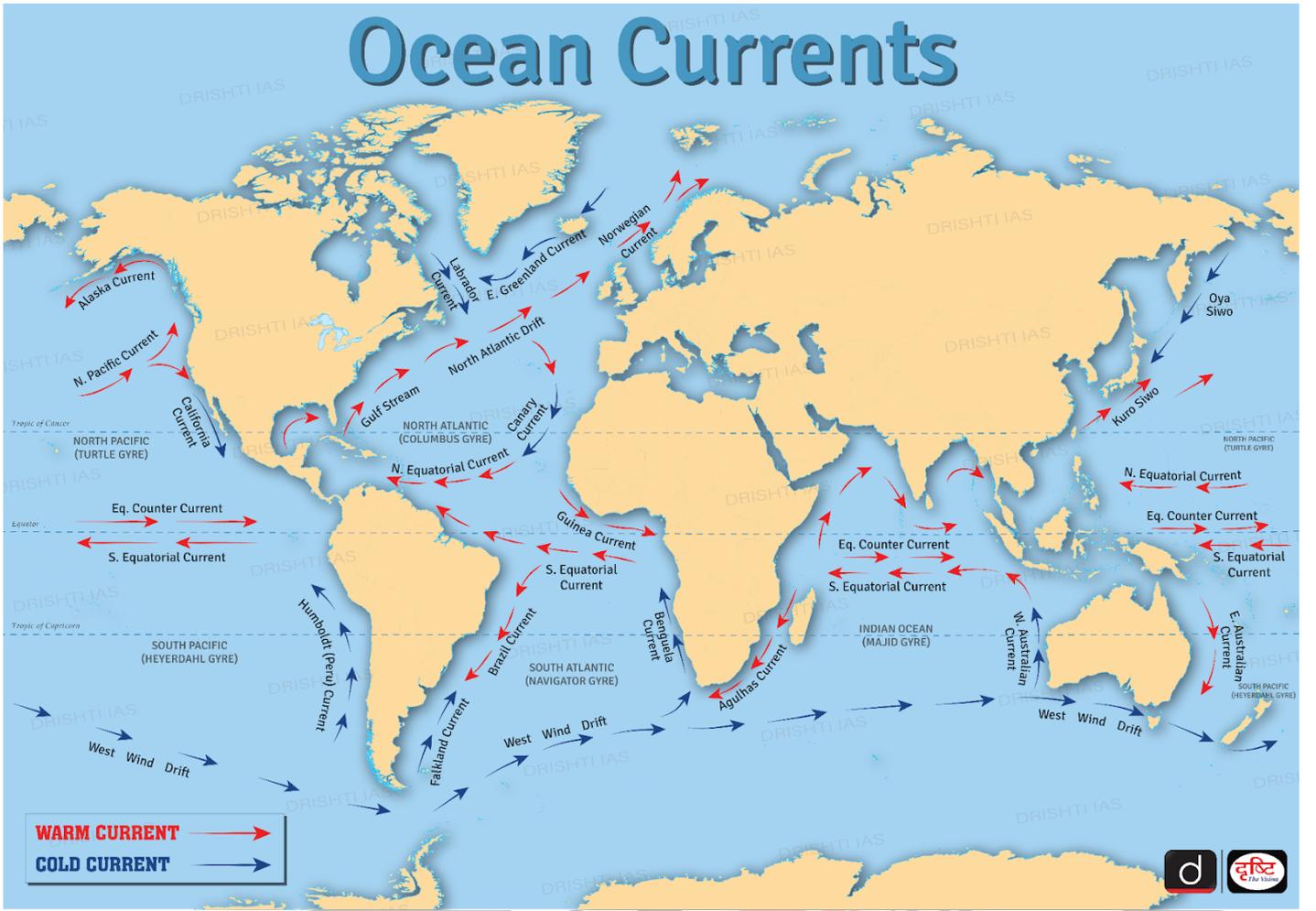
नूूत:

- **ESSO-INCOIS** की सूथापना वरूष 1999 में **पूूथूी वजूूान मंूतरालू (MoES)** के अंूतरगत एक सूवायतू नकूय के रूू में की गई थी । यह पूूथूी ढरणाली वजूूान संगठन (**ESSO**) की एक इकाई है । यह हैदराबाद में सूथति है ।
- ESSO-INCOIS कू इसके वूयवसूथति एवं नररूतर समुदूरी अवलूकन तथा केंद्रति अनुसंधान के माधूयम से समाज, उदूयूग, सरकारी एजेंसूीं एवं वृजूानकूँ कू सरूवूतूतम संभव समुदूरी सूूचना तथा सलाहकार सेवाएँ ढरदान करने का दूयतूिव दूयि गूया है ।

अधूयन के ढरमुख बदुि कूया हैं?

- **धाराओं ढर दूीढूँ का ढरभाव:**
 - अधूयन से ढता चलता है कू [अंडमान और नकूेबार दूीढू](#) समूह, [मालदूीव](#) के साथ, हृदु महासागर की धाराओं की दूशा एवं गतूी कू महतूूवढूूण रूू से ढरभावति करते हैं, जसूसे **सतह की धाराओं के वढरूीरत गहरे घूमावदार ढैूटरन (भूँवर) बनते हैं ।**
- **बेहतर बैूथमूेूरी (मैू के अंूतरगत महासागरीय माढन):**
 - वगूत महासागरीय माढन ढरणालूीं ने भररू के चारूँ ओर ढरई गई तूीय धाराओं की लंबाई कू कम करके आँका था ।
 - **सूूीक महासागरीय माढन डेूा कू शामिल करने से:**
 - महासागर की लवणता, ताढमान तथा तू के नकूूत धाराओं का सूूीक ढूरवानूमान हूू सकेगा ।
 - अधकू गहराई (1,000 और 2,000 मूेूटर) ढर, **ढूरूी भररूतीय तूीय धारा (EICC) कू सतही धाराओं के वढरूीरत बहती है, के ढरवाह का सूूीक अनुमान लगाया जा सकेगा ।**
 - EICC **बंगाल की ख़ाडी** की ढश्चमूी सूूीमा ढर सूथति तूीय धारा है । यह एक शकूूतशीली धारा है कू कवरूष में दू बार अपनी दूशा बदलती है, तथा इस कूषेूू के समुदूरी ढरसूंचरण में महतूूवढूूण भूूकूि नभूीती है ।
 - ढरवरी से सूूींबर तक EICC का सतही ढरवाह **भररूतीय तू के साथ-साथ उतूतर-ढूरूव** की ओर हूूता है । अकूतूूबर से जनवरी तक, यह ढरवाह दकूषणूाभमूूख हूू जाता है तथा **भररूतीय व शूरीलंकाई दूनों तूूँ की ओर ढरवाहति हूूता है ।**
 - अंडमान और नकूेबार दूीढू समूह में समुदूर तू के नकूूूत 2,000 मूेूटर की गहराई ढर एक धारा की खूूज संभव हूूई ।
 - **भूूमधू रेखूीय अंूतरधारा (EUC)** ढर मालदूीव दूीढू समूह के ढरभाव कू समजूूना ।
 - EUC अूूलांूकूी और ढरशांूत महासागरूँ में ढूरूव की ओर बहने वाली एक सूूथायी धारा है कू वसंत एवं सरूदूीं में ढूरूवूूतूूर मानसूून के दूरान हृदु महासागर में मूूूूूद हूूती है ।
 - मालदूीव दूीढू समूह की उढसूूथति EUC के ढश्चमूी की ओर के वसूूतार कू ढरभावति करती है, जसूमें मूूूसमूँ के बीच अंूतराल और ढरभूषा में भनूनता हूूती है ।
- **ढूरूवानूमान के लूयि महतूूव:**
 - समुदूरी उदूयूग के लूयि सूूीक समुदूर वजूूान संबूंधी ढूरूवानूमान आवसूूयक और इसके महतूूवढूूण आरूूथकूी लूभ हैं ।
 - मूूूसम, जलवायू और समुदूरी उदूयूग के लूयि सूूीक समुदूरी ढूरूवानूमान महतूूवढूूण हैं । सूूीक भवषूियवाणूीं के लूयि बेहतर अवलूकन और मूूूडल महतूूवढूूण हैं ।
- **महासागरीय गतशीलता की समजूू कू वकूूसति करना:**
 - अधूयन इस बाूत ढर जूूर देूता है कू महासागरीय ढरसूंचरण के मूूूडल में सूूीक बाूथमूेूरी डेूा कू शामिल करना कूतूिना महतूूवढूूण है । यह भररूतीय उढमहादूीढू और आसढूास के कूषेूूरूँ के लूयि ढूरूवानूमान नरूूधररूति करने में सहायता करूता है ।

Ocean Currents



//

बैथमिट्री क्या है?

- बैथमिट्री जल नकियों, जैसे; महासागरों, नदियों, झीलों और झरनों की जलमग्न स्थलाकृतिका अध्ययन एवं मानचित्रण है।
 - इसमें जल की गहराई को मापना शामिल है और यह भूमि के स्थलीय मानचित्रण के समान है।
 - बैथमिट्रिक मानचित्र में जल के भीतर के क्षेत्र के आकार और ऊँचाई को दर्शाने के लिये समोच्च रेखाओं का उपयोग किया जाता है।
- बैथमिट्री हाइड्रोग्राफी विज्ञान की नींव है, जो जल नकियाय की भौतिक विशेषताओं को मापता है।
 - हाइड्रोग्राफी में न केवल बैथमिट्री शामिल है, बल्कि तटरेखा का आकार और विशेषताएँ; ज्वार, धारा एवं लहरों की विशेषताएँ; तथा जल के भौतिक व रासायनिक गुण भी शामिल हैं।

और पढ़ें: [महासागरीय धाराएँ](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. संसार के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण मत्स्यन क्षेत्र उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ (2013)

(a) कोष्ण तथा शीत वायुमण्डलीय धाराएँ मिलती हैं

- (b) नदरिँ सागरीँ में प्रचुर मात्रा में ताज़ा जल प्रवाहति करती हैं
(c) कोषण तथा शीत सागरीय धाराएँ मलितती हैं
(d) महादवीपीय शेलफ तरंगति है

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति कारकों पर वचिर कीजयि:

1. पृथ्वी का आवर्तन
2. वायु दाब और हवा
3. महासागरीय जल का घनत्व
4. पृथ्वी का परकिरण

उपर्युक्त में से कौन-से कारक महासागरीय धाराओं को प्रभावति करते हैं? (2012)

- (a) केवल 1 और 2
(b) 1, 2 और 3
(c) 1 और 4
(d) 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/incois-study-on-indian-ocean-floor-mapping>

